भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2457

जिसका उत्तर 13.03.2025 को दिया जाना है

राजमार्ग निर्माण में अपशिष्ट का उपयोग

2457. सुश्री सयानी घोष:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजमार्ग निर्माण में अपशिष्ट के प्रभावी उपयोग को प्रदर्शित करने वाली सफल प्रायोगिक परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) राजमार्ग निर्माण परियोजनाओं में अब तक उपयोग की गई फ्लाई ऐश, प्लास्टिक अपशिष्ट और निर्माण मलबे जैसी अपशिष्ट सामग्री की राज्यवार कुल मात्रा कितनी है;

(ग) प्लास्टिक अपशिष्ट का उपयोग करके निर्मित राजमार्गों की लंबाई किलोमीटर में कितनी है और इस पहल के कारण पर्यावरण प्रदूषण में अनुमानित कितनी कमी है; और

(घ) क्या ठेकेदारों या निजी कंपनियों को सड़क निर्माण में अपशिष्ट सामग्री का उपयोग करने के लिए कोई प्रोत्साहन दिया जाता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) प्रायोगिक परियोजनाओं के कार्य निष्पादन मूल्यांकन सहित अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणाली और स्वदेशी अनुसंधान के परिणामों के आधार पर**,** भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) द्वारा नए मानक/दिशानिर्देश तैयार किए जाते हैं और राजमार्ग निर्माण में अपशिष्ट के उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए आईआरसी के मौजूदा मानकों/दिशानिर्देशों में समय-समय पर संशोधन किया जाता है। सरकार ने ऐसी सामग्रियों के उपयोग पर नीतिगत दिशानिर्देश भी जारी किए हैं। सरकार ने ऐसी सामग्रियों के उपयोग पर नीतिगत दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। कुछ परियोजनाएं जहां फ्लाई ऐश/प्लास्टिक अपशिष्ट/निर्माण मलबे का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है**,** वे पूर्वी परिधीय एक्सप्रेसवे (ईपीई**),** नगीना-काशीपुर रारा**-**74**,** उदयपुर-शामलाजी रारा**-**48**,** और शहरी विस्तार सड़क (यूईआर**-II)** हैं।

(ख) से (घ) सड़क निर्माण के लिए फ्लाई ऐश**,** प्लास्टिक अपशिष्ट और निर्माण मलबे जैसी अपशिष्ट सामग्री को अपनाना एक सतत प्रक्रिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग (रारा) परियोजनाओं को आम तौर पर इंजीनियरिंग**,** प्रापण और निर्माण (ईपीसी)/हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम)/बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) मोड पर लागू किया जाता है**,** जहां ठेकेदार/रियायतग्राही लागू मैनुअल**,** मानकों/दिशानिर्देशों/कोड आदि के अनुसार अपना खुद का डिजाइन बनाते हैं और फिर रारा परियोजना में इसके वास्तविक उपयोग से पहले प्राधिकरण इंजीनियर (एई)/स्वतंत्र इंजीनियर (आईई) द्वारा इनकी समीक्षा/अनुमोदन किया जाता है। विभिन्न प्रकार की अपशिष्ट सामग्री जैसे फ्लाई ऐश**,** प्लास्टिक अपशिष्ट और निर्माण मलबे का उपयोग विभिन्न रारा परियोजनाओं में तटबंधों/विभिन्न फुटपाथ मार्गों/विभिन्न कंक्रीट वस्तुओं आदि में उपलब्धता**,** उपयुक्तता और उपयोग की व्यवहार्यता के आधार पर किया जाता है।

*****